मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MJY–003

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.जे.वाई.-003 : पञ्चाङ्ग एवं मुहूर्त

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्नपत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। 'क' और 'ख' खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* 3×20=60

1. (क) मानव जीवन में पञ्चाङ्ग की उपयोगिता व महत्व को स्पष्ट कीजिए।

(ख) नक्षत्रों की विभिन्न संज्ञाएँ विस्तारपूर्वक लिखिए।

(ग) नक्षत्रों का राशिचक्र में विभाजन करते हुए चक्र सहित प्रदर्शित कीजिए।

(घ) वास्तुशास्त्र की लोकोपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

(ङ) षोडश संस्कारों के क्रमशः नाम लिखकर ज्योतिषीय दृष्टि से विवाह संस्कार का वर्णन कीजिए।

(च) श्राद्ध के महत्व पर विस्तार से निबन्ध लिखिए।

खण्ड—ख

नोट : *किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* $4 \times 10 = 40$

2. (क) बसन्त पंचमी के महत्व पर प्रकाश डालिए।

(ख) वारहोरा क्रम का चक्र सहित उल्लेख कीजिए।

(ग) त्रिबल शुद्धि के महत्व पर प्रकाश डालिए।

(घ) नामकरण संस्कार की विवेचना कीजिए।

(ङ) सपिण्डीकरण श्राद्ध की विधि लिखिए।

(च) कलशचक्र और वत्सचक्र को लिखिए।

(छ) 'करण' पञ्चाङ्ग का महत्वपूर्ण अंग है। स्पष्ट कीजिए।

(ज) तिथियों की विभिन्न संज्ञाएँ लिखिए।

× × × × ×